स्कूटर्स इंडिया की जमीन पर बनेंगे इलेक्ट्रिक वाहन

स्कूटर्स इंडिया परिसर में यूपीसीडा और नगर निगम के अधिकारी • जागरण

अजय श्रीवास्तव • लखनऊ

- **राज्य सरकार और हिंदुजा समूह में हो चुका है फैक्ट्री के लिए एमओयू**
- **सरोजनीनगर साइट पर पहुंचे नगर निगम व यूपीसीडा के अधिकारी**

140 एकड़ है जमीन का क्षेत्रफल

6 एकड़ जमीन सड़क निर्माण में गई

लंबे इंतजार के बाद लखनऊ की झोली में बड़ा उद्योग आने वाला है। स्थल होगा सरोजनीगर में स्कूटर्स इंडिया का बंद पड़ा परिसर। ग्रीन फील्ड निर्माण इकाई यहां स्थापित किए जाने की तैयारी है। इसके लिए हिंदुजा समूह की हरी झंडी की प्रतीक्षा है। इसे इलेक्ट्रिक वाहनों का हब बनाया जाएगा। साथ ही बड़े स्तर पर रोजगार पैदा होंगे।

15 सितंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और हिंदुजा समूह के अधिकारियों की मुलाकात हुई थी। इस दौरान राज्य सरकार और हिंदुजा समूह के बीच एमओयू भी हुआ था। एमओयू के मुताबिक, हिंदुजा समूह की कंपनी अशोक लीलैंड को प्रदेश में ग्रीन फील्ड निर्माण इकाई स्थापित करेगी। सक्रियता दिखाते हुए पांच दिन में ही सरकार ने लखनऊ में जमीन की तलाश कर ली। सरकार ने बंद पड़ी स्कूटर्स इंडिया की जमीन को उपयुक्त पाया है। कुल 140 एकड़ जमीन है, जिसमें से मात्र छह एकड़ सड़क निर्माण में गई है। स्कूटर्स इंडिया से लीज खत्म होने के बाद जमीन यूपीसीडा के कब्जे है। अब हिंदुजा समूह के अधिकारी जमीन देखेंगे।

मंगलवार को शाम चार बजे यूपीसीडा के प्रधान मुख्य अभियंता संदीप चंद्रा, सहायक अभियंता बीएन श्रीवास्तव, नगर निगम के मुख्य अभियंता महेश चंद्र वर्मा, अधिशासी अभियंता एससी सिंह ने साइट का निरीक्षण किया। परिसर में जल जमाव और मलबा पाया गया। अब परिसर को साफ किया जाना है, जिससे हिंदुजा समूह के अधिकारी संतुष्ट हो सकें। कानपुर रोड की दीवार से सटे कच्चे नाले की सफाई करानी होगी, जिससे पानी निकल सके। नाला फ्लाईओवर निर्माण के दौरान निकले मलबे से पट गया है। एक अधिकारी ने माना कि अशोक लीलैंड को ईवी फैक्ट्री के लिए यह जमीन दिए जाने की योजना है।

स्कूटर्स इंडिया लिमिटेड की स्थापना प्रक्रिया 1972 में शुरू हुई थी और अप्रैल 1973 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इसका शिलान्यास किया था। यहां विक्रम लैम्ब्रो, विजय डीलक्स और लम्ब्रेटा स्कूटर बनते थे, लेकिन समय की दौड़ में कंपनी पिछड़ गई।